ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-04-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-04-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-04-25	2026-04-26	2026-04-27	2026-04-28	2026-04-29
वर्षा (मिमी)	0.0	2.0	1.0	1.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	28.0	28.0	28.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	13.0	13.0	12.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	32	38	40	58
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	11	11	13	16	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	10	9	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	140	90	90	90	50
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	3	4	5
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी दिनों में, 24 से 28 अप्रैल तक इस क्षेत्र में 1-10 मिमी तक हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26-28 डिग्री सेल्सियस और 12-13 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा दक्षिण-पूर्व, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा से 8-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। 24 से 28 अप्रैल तक हल्की बारिश की संभावना है, जबकि 25 अप्रैल को गरज, बिजली, आंधी और तेज हवाओं के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है। अन्य दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाएं चलने और सतह पर तेज हवाओं की भविष्यवाणी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

चेतावनियों के अनुसार, कटाई के बाद उपज खराब हो सकती है, इसलिए सभी सूखी उपज को अच्छी तरह हवादार जगह पर संग्रहित किया जाना चाहिए और उपज को छाया में सुखाया जाना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त

करने के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 24 से 30 अप्रैल तक के विस्तारित पूर्वानुमान में सामान्य से अधिक वर्षा और अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान की संभावना जताई गई है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हल्की बारिश की संभावना है, इसलिए कृषि उत्पादों को छाया में रखना चाहिए और खुले में नहीं छोड़ना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	कटाई के बाद फसल को भंडारण से पहले छाया में अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए और उसे हवादार जगह पर रखना चाहिए। इसे खुले खेत में नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि इससे फसल खराब हो सकती है। सूखे दिनों में खेत को अगली फसल के लिए तैयार कर लें।
बरनार्ड मिल	मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में, बाजरे की बुवाई (झंगोरा) शुष्क दिनों में की जा सकती है और बुवाई से पहले उर्वरक का प्रयोग भी शुष्क दिनों में ही किया जाना चाहिए।
चावल	चेतकी धान की बुवाई शुष्क दिनों में करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
चौलाई	चौलाई की बुवाई शुष्क दिनों में करनी चाहिए। अधिक सिंचाई से बचें।
सेम की फली	फ्रेंच बीन की बुवाई सूखे दिनों में करनी चाहिए। अधिक सिंचाई से बचें।
मेंथी	मेथी की बुवाई सूखे दिनों में करनी चाहिए। अधिक सिंचाई से बचें।
लहसुन	लहसुन की बुवाई सूखे दिनों में करनी चाहिए। अधिक सिंचाई से बचें।
टमाटर	नमी बनाए रखने के लिए नमी संरक्षण विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए।
बैंगन	नमी बनाए रखने के लिए नमी संरक्षण विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए।
शिमला मिर्च	Moisture conservation methods should be used to maintain moisture.
कद्दू	फसल पर किसी भी प्रकार के रसायनिक छिड़काव से बचें और इसे सूखे दिनों में ही करें।
आड़ू	फसल पर किसी भी प्रकार के रसायनिक छिड़काव से बचें और इसे सूखे दिनों में ही करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	दुधारू पशुओं में यदि मैस्टाइटिस के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत उपचार करें। पशुओं को पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पानी के कुंड साफ रखे जाने चाहिए और पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी दिया जाना चाहिए। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था करें।
गाय	दुधारू पशुओं में यदि मैस्टाइटिस के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत उपचार करें। पशुओं को पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पानी के कुंड साफ रखे जाने चाहिए और पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी दिया जाना चाहिए। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	रबी फसलों की कटाई के बाद, खेतों को अच्छी तरह से साफ करके गहरी जुताई करनी चाहिए ताकि हानिकारक कीट, उनकी अवस्थाएँ और खरपतवार उजागर हो जाएँ और नष्ट हो जाएँ। गेहूँ और अन्य

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
	फसलों की कटाई के बाद हरी खाद डालनी चाहिए। इसके लिए मिट्टी की अनुकूलता के अनुसार 50-60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर ढैंचा और 80-90 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर सुनई बोई जा सकती है। रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करनी चाहिए ताकि कीटों के अंडे और खरपतवार नष्ट हो जाएँ। सभी कृषि कार्य चेतावनी रहित दिनों में किए जा सकते हैं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसल का खराब होना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कटाई के बाद बची हुई उपज को खुले में न छोड़ें और उसे अच्छी तरह हवादार जगह पर संग्रहित करें।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details